रजिस्ट्रेशन संख्या :– R.N.I. 36355/79
डाक पंजीकरण संख्या :– के0 पी0 सिटी –67/2024–26

चिकित्सा–विज्ञान और प्रौद्योगिक जगत में
सर्वाधिक प्रकाशित होने वाला निषपक्ष समाचार पत्र

पाक्षिक

# इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट

अधिकार किसको जानने के लिए भारत सरकार की वेबसाइट www.dhr.gov.in लॉगिन कर क्लिक करें अल्टरनेटिव मेडिसिन तथा गज़ट पढ़ने हेतु log in करें www.behm.org.in

पत्र व्यवहार हेतु पता :–
सम्पादक
इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट
127/204 'एस' जूही, कानपुर–208014
सम्पर्क सूत्र :– 9450153215 , 9415074806 , 9415486103

वर्ष – 47 ● अंक – 14 एवं 15 ● कानपुर 1 से 15 अगस्त 2025 ● प्रधान सम्पादक – डा0 एम0 एच0 इदरीसी ● वार्षिक मूल्य ₹ 100

# प्रदेश के इलेक्ट्रो होम्योपैथों में नई उमंग

## चिकित्सकों का मनोबल बढ़ाने हेतु शीर्ष संस्थानों के प्रमुख भी सक्रीय

# आज़ादी का अमृत चखने के लिये

# इलेक्ट्रो होम्योपैथ भी बेचैन

- शीर्ष संस्थान भी चाहते हैं सरकारी बोर्ड का गठन
- आई0 डी0 सी0 अभी भी अनिर्णय की स्थिति में
- सरकारी बोर्ड के गठन में जितनी लेट लतीफ़ी उतनी निराशा
- अब शीर्ष संस्थानों को पुराना ढर्रा छोड़ना पड़ेगा
- शीघ्र ही इहमाई की उच्च स्तरीय समिति लेगी निर्णय
- आप अपने आपको इलेक्ट्रो होम्योपैथ कहते रहें
- सरकारी बोर्ड गठन की मांग रुकनी नहीं चाहिये

कहा जाता है कि.... " जीवन चलने का नाम चलते रहो सुबह शाम " परन्तु कभी कभी आगे बढ़ने के लिए कुछ पल रूकना भी पड़ता है और यह रूकावट अक्सर अप्रत्याशित परिणाम भी दे जाती है, इलेक्ट्रो होम्योपैथी का दर्शन रूकने और चलने दोनों का है, हम बहुत दूर तक चलकर आगे आ चुके हैं, बस कुछ ही कदम बाकी हैं जब हम सबको मंज़िल मिल जायेगी, मंज़िल पाने में कोई रूकावट नहीं है सिर्फ़ अपनी–अपनी दृष्टि है।

यदि हम आज के दृश्य पर नज़र डालें तो इलेक्ट्रो होम्योपैथी का भविष्य कहीं से भी कमज़ोर नज़र नहीं आता है परन्तु जिस तरह की परिस्थितियां बनायी जा रही हैं इसके कारण भविष्य में जिस तरह की परिस्थितियों के निर्माण के संकेत मिलते हैं वह कोई बहुत सुख प्रदान करने वाले नहीं होते हैं, 28 फरवरी 2017 और 13 जून 2017 दोनों ही सुखद एहसास दिलाते हैं, बशर्ते हम उनपर स्थिर रहें और जो वांछित है उसी पर काम करें, 28 फरवरी के अनुपालन में हमारे साथियों ने जो भी प्रयास किये भले ही वह लक्ष्य भेदने में सफ़ल न हुए हों परन्तु एक नई और स्पष्ट दिशा का निर्माण तो कर ही गये हैं, 28 फरवरी, 2017 के पत्र में यद्यपि सब कुछ स्पष्ट था परन्तु कुछ लोग सम्भवतः सरकार के उस आशय को समझ नहीं पाये या फिर यह भी सम्भव हो सकता है कि आगे दिखने की होड़ में जो कुछ भी किया गया वह एक जल्दबाज़ी भरा कदम था।

कोई भी व्यक्ति यह नहीं चाहता है कि वह प्रतिस्पर्धा से बाहर हो, प्रतिस्पर्धा में बने रहने क लिए केवल जानकार होना ही आवश्यक नहीं होता है अपितु जिस प्रतिस्पर्धा में आप हैं उस विषय का विशेषज्ञ भी होना पड़ता है, इलेक्ट्रो होम्योपैथी में जितने भी लोग लगे हैं सभी योग्य हैं, किसी की भी योग्यता पर संदेह नहीं किया जा सकता है, फिर भी कभी जल्दबाज़ी में कुछ कमियां रह जाती हैं यदि इन कमियों को समय रहते सुधार लिया जाये तो यही कमियां लाभकारी हो जाती हैं

यही 28 फरवरी के बाद हुआ, जिन लोगों ने सरकार को विस्तृत जानकारियां प्रेषित कीं सरकार ने अति स्पष्ट करते हुए 13 जून के पत्र में बिन्दुवार स्पष्टता के साथ लिख दिया है कि उसे क्या आवश्यकता है और कितनी आवश्यकता है, इतना सब कुछ होने के उपरान्त भी अभी भी हमारे साथियों की चाल में कोई परिवर्तन नहीं आया है सब अपने अपने हिसाब से इस पत्र का भाव निकाल रहे हैं और कार्य कर रहे हैं इसी बीच इन पत्रों में जो चीज़ जानकारी के लिए मांगी ही नहीं गयी उसपर विशेष चर्चा हो रही है, वह है इलेक्ट्रो होम्योपैथी की वैज्ञानिकता ! यह सत्य है कि किसी भी चिकित्सा पद्धति का आधार वैज्ञानिक ही होता है और जब वह चीज़ हर कसौटी पर खरी उतरती है तभी जन स्वीकारिता बनती है काउण्ट सीज़र मैटी ने जब इलेक्ट्रो होम्योपैथी को जन्म दिया था उस समय उनके मन और मस्तिष्क में सिर्फ़ एक ही बात रही होगी कि किसी ऐसी पद्धति का उद्भव किया जाये जो जनसामान्य को रोगमुक्त कर सके, तत्कालीन प्रचलित चिकित्सा पद्धतियों की खामियों व प्रतिकूल प्रभावों से आहत होकर ही वह इस कार्य में लगे।

समय परिवर्तनशील है 200 वर्ष में बहुत कुछ बदल चुका है जलवायु और वातावरण में बहुत परिवर्तन हो चुके हैं, धरती के ताप में परिवर्तन आ चुका है, बहुत सारे ऐसे परिस्थितिक परिवर्तन हो चुके हैं जिनका हर प्राणी पर प्रभाव पड़ चुका है।

मैटी ने इसी तरह भिन्न भिन्न पौधों पर कार्य किया और उनकी उपादेयता को समझा और इसी उपादेयता के आधार पर उसे एक चिकित्सा पद्धति के रूप में संसार को परिचित कराया, अब इलेक्ट्रो होम्योपैथी की वैज्ञानिकता पर सवाल उठाना कहाँ तक उचित होगा ? आज जब भारत सरकार इलेक्ट्रो होम्योपैथी का नियमितीकरण करना चाहती है तो इस तरह के प्रश्न बढ़ते हुए कदमों में रूकावट लाते हैं, हम यह स्वीकारते हैं कि हमारे यहां योग्य और योग्यतम वैज्ञानिक स्तर के व्यक्ति हैं, उनकी योग्यता पर हम सबको नाज़ है, परन्तु वर्तमान परिस्थिति यही कहती है कि पहले इलेक्ट्रो होम्योपैथी का सरकारी बोर्ड स्थापित हो जाने दें फिर जब अवसर मिले वैज्ञानिकता भी सिद्ध होगी वैज्ञानिकता का पहलू कोई नया नहीं है इस शब्द से अन्य पद्धतियों को दो चार होना पड़ा आयुर्वेद, होम्योपैथी और युनानी चिकित्सा पद्धतियों को करारे दंश झेलने पड़े हैं इतनी पुरातन चिकित्सा पद्धति होने के उपरान्त

शेष पेज 2 पर

उत्तर प्रदेश शासन के विशेष सचिव (पूर्व) श्री सुरजन सिंह जी से वार्ता करते हुये बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन उ0प्र0 के चेयरमैन डा0 एम0 एच0 इदरीसी छाया–गज़ट

# बदलने लगी है मनःस्थिति

*बदलाव का इन्तेज़ार वर्षों से हम सब इलेक्ट्रो होम्योपैथ कर रहे हैं, इन्तेज़ार करते–करते कुछ की तो आँखें ही बन्द हो गयीं, कईयों की आँखें पथरा गईं और जो हम जैसे हैं वे आज भी इन्तेज़ार से ऊबे नहीं हैं और अभी भी इस इन्तेज़ार में हैं कि बदलाव आयेगा और हम सबके जीवन संवर जायेंगे, जो ज़्यादा प्रतीक्षा नहीं कर सकते वह अक्सर यह कह देते हैं कि.....*

*इन्तेहा हो गई ,तेरे इन्तेज़ार की।*
*आई ना कुछ खबर, मेरे ..... ।।*

*परन्तु इलेक्ट्रो होम्योपैथी में खबरें तो अच्छी आया करती हैं पर अच्छे दिन नहीं आ पा रहे हैं और इन्हीं अच्छे दिनों का इन्तेज़ार हमें भी है, हमारे गज़ट के सुविज्ञ पाठकों को याद होगा कि आज से दो साल पहले हमने कहा था कि अच्छे दिन आनें वाले हैं तो कुछ लोग कहेंगे कि यह अच्छे दिन कब आयेंगे ? अभी तक तो इलेक्ट्रो होम्योपैथी को कोई खास लाभ नहीं मिला है अपितु लाभ के स्थान पर आंशिक हानि भी उठानी पड़ी है, हर आंदोलन में हानि–लाभ तो होता ही रहता है परन्तु सजग वही होता है जो हर कदम पर अपनी पैनी निगाह रखता है और हर गलतियों से कुछ न कुछ सीख लेते हुये भविष्य की नई योजना बनाता है, इलेक्ट्रो होम्योपैथी में अभी तो सब कुछ ठीक–ठाक चल रहा है भारत सरकार की दृष्टि भी एकदम सकारात्मक है, सत्य तो यह है कि समय ज्यों–ज्यों आगे बढ़ रहा है त्यों–त्यों लोगों के विचारों में परिवर्तन भी हो रहा है, अब देश के 80 प्रतिशत से ज़्यादा इलेक्ट्रो होम्योपैथिक के नेतागण यह निर्णय ले चुके हैं कि किसी भी तरह से सबको एक दृष्टिकोण रखते हुये इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिये कुछ न कुछ महत्वपूर्ण निर्णय तो करवा ही लेना है, गज़ट ने अपने साथियों को जागरुक करने के उद्देश्य से अपने स्तर से प्रयास प्रारम्भ कर दिये और इसका लाभ भी मिला, लोगों के विचारों में परिवर्तन आये और जो उनके मन में गलत फ़हमियां थीं वह भी थोड़ी–बहुत दूर हुयी हैं, आपसी सामंजस्य भी बढ़ा है परन्तु एक बात अभी भी वहीं पर अटकी हुयी है कि हर संस्था संचालक अभी भी भ्रमित है।*

*प्राप्त सूत्रों के अनुसार सरकार आज भी चाह रही है कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी को वही सम्मान और स्थान दिया जाये जो अन्य प्रचलित मान्यता प्राप्त चिकित्सा पद्धतियों को प्राप्त है किन्तु मान्यता के लिये कुछ आवश्यक एवं वांछनीय बिन्दु निर्धारित हैं जिनका उल्लेख सरकार द्वारा जारी नोटिसों में स्पष्ट रुप से किया भी गया है, समय–समय पर सरकार द्वारा गठित अनेक कमेटियों ने अनेक सकारात्मक सुझाव दिये हैं जिससे आगे का रास्ता अभी भी खुला हुआ है।*

*अब इलेक्ट्रो होम्योपैथिक संस्थाओं/संगठनों एवं व्यक्तियों को नये सिरे से पुनः विचार करना पड़ेगा कि सरकार द्वारा जारी 28 फरवरी, 2017 की नोटिस को वे किस रुप में लेते हैं ! सरकार की कल भी मंशा थी और आज भी सरकार का वही दृष्टिकोण है।*

*अभी भी समय है, समय की नज़ाकत को समझते हुये और समय का सही उपयोग करते हुये सरकार द्वारा वांछित जानकारियों को उपलब्ध कराते हुये इलेक्ट्रो होम्योपैथी को चिकित्सा पद्धति के रुप में मान्यता प्राप्त कराने का प्रयास करें, अब समय की मांग है कि एक होकर पहले आपस में पूरी मन्त्रणा कर लें, संयुक्त रुप से, सभी की सहमति से एक सशक्त ऐसा एजेण्डा बना कर सरकार के समक्ष प्रस्तुत करें।*

*कहा जाता है कि जहाँ बड़े–छोटे का भाव होता है निःसन्देह परिणाम नकारात्मक ही मिला करते हैं, अब हमें यह स्वयं निर्णय लेना होगा कि हम अन्ततः किस ओर जाना चाहते हैं हमें सबके लिये भला करना है या केवल अपने आप के लिये भला करना है ! याद रहे संयुक्त प्रयास कभी भी विफ़ल नहीं हुआ करते हैं, हमारे थोड़े से लाभ के लिये पूरे समाज की हानि हो तो इसे प्रकृति भी सहन नहीं करती है।*

*बदली हुयी परिस्थितियों में आज इलेक्ट्रो होम्योपैथी को सरकारी संरक्षण की अति आवश्यकता है ऐसे में हमें अपने आप पर संयम रखते हुये धैर्य से ऐसी कार्य योजना बनाना चाहिये जिसमें सभी को अपना हित दिखे एवं पूरे मनोयोग के साथ निर्भीकता से बिना किसी भेद भाव के संगठित होकर एक लक्ष्य के साथ अर्जुन की भांति एक दृष्टि केवल इलेक्ट्रो होम्योपैथी के उत्थान के लिये रखते हुये अपने लक्ष्य को भेदने का प्रयास करें।*

# प्रदेश के इलेक्ट्रो होम्योपैथों में नई उमंग

प्रथम पेज से आगे

भी कभी कभी आयुर्वेद को अवैज्ञानिक पद्धति होने का आरोप झेलना पड़ा था, पिछले वर्षों में जब योग के विनियमितीकरण के प्रयास शुरू किये गये तो बहुत लोगों ने योग की वैज्ञानिकता पर ही प्रश्नचिन्ह खड़े कर दिये थे, यह तो सरकार की इच्छाशक्ति थी कि योग आज विश्व स्तर पर स्वीकार किया गया है, इलेक्ट्रो होम्योपैथी तो वैज्ञानिक कसौटी पर पहले ही खरी उतर चुकी है जब इलेक्ट्रो होम्योपैथी के प्रसिद्ध डा0 स्वर्गीय नन्द लाल सिंहा ने सरकार द्वारा प्रदान किये गये 10 कुष्ठ रोगियों को रोग मुक्त कर दिया था, आज की आवश्यकता है कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिये किसी भी तरह से सरकारी बोर्ड का गठन कराया जाये और इस कार्य में हर एक का योगदान होना चाहिये चूंकि यह एक सामुहिक कार्य है इससे लाखों लोगों की रोज़ी रोटी के साथ साथ करोड़ों लोगों के जन स्वास्थ्य लाभ की भावना भी जुड़ी है, प्रयास और योगदान कभी छोटा या बड़ा नहीं होता है जो जिस स्तर का होता है वह उस स्तर का योगदान देता है, जो वैज्ञानिक है वह वैज्ञानिक विधा पर योगदान देता है जो साहित्य सृजन करता है वह अपने साहित्य के माध्यम से लोगों को जानकारी देता है और जो चिकित्सा व्यवसाय से जुड़ा है सही माने में सच्चा योगदान वही देता है कारण, यह वही व्यक्ति होता है जो अपनी विधा का वास्तविक प्रचारक और प्रसारक होता है, वैज्ञानिक और साहित्य सृजनकर्ता की अपनी सीमायें हैं जब कि चिकित्सक की भूमिका असीमित होती है एक एक चिकित्सक हज़ारों लोगों से जुड़ता है और यह हज़ारों लोग एक ऐसी श्रंखला का निर्माण करते हैं जो विकास के रास्ते में आगे बढ़ते हुए एक नया इतिहास रचते हैं।

इलेक्ट्रो होम्योपैथी का आन्दोलन हमारे इन्हीं कर्मयोगियों के कंधे पर आगे बढ़ते हुए निरन्तर प्रगति की राह पर बढ़ रहा है, यह तो समय की बलिहारी है कि समय की सीमा बढ़ती ही जा रही है परन्तु निराशा या हताशा जैसी कोई बात नहीं है, आज हम उस मुकाम पर पहुँच चुके हैं जहां से सिर्फ़ मंज़िल का रास्ता ही दिखता है और मंज़िल में कोई रूकावट नहीं है इस विचार के साथ हमें सतत प्रयास करने होंगे थोड़ी सी मनोवृत्ति में परिवर्तन भी लाना होगा न कोई आगे है और न कोई पीछे जब सबका लक्ष्य एक है तो कैसी दूरियां अगर कहीं कोई भ्रान्ति या भ्रम है तो आपस में बैठकर सुलाझाने में ही समझदारी है।

इतिहास इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि उपलब्धियां ही याद की जाती हैं प्रयास तो सिर्फ़ प्रेरणा के रूप में काम आते हैं याद कीजिए जितने भी आन्दोलन आज तक हुए हैं वह सामुहिकता के आधार पर ही जीते जा सके हैं, आयुर्वेद का आन्दोलन हो या होम्योपैथी के प्रान्तीयकरण का आन्दोलन, हर आन्दोलनों में अपने ही लोगों ने साथ दिया है, ऐसा नहीं है कि जब यह आन्दोलन चलाये गये तब सब एक थे मत भिन्नतायें तब भी थीं लोगों की सोच अलग अलग थी लेकिन उद्देश्य एक था और जिनके मन में यह विचार है कि हम आगे निकल जायें तो यह बात फिर याद रखनी चाहिये कि आन्दोलनकारी कितना भी ऊर्जावान क्यों न हो सम्मान परिणाम का होता है आजीवन परिणाम ही याद किये जाते हैं आन्दोलनकारी सिर्फ़ अवसरों पर स्मरण कर लिये जाते हैं।

इलेक्ट्रो होम्योपैथी का आन्दोलन आज विभिन्न संगठनों के बीच बंटा हुआ है, लोगों में एक दूसरे से प्रतिद्वन्दिता है, एक दूसरे से प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं, परस्पर प्रतिद्वन्दिता के स्थान पर एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को जन्म दें, इलेक्ट्रो होम्योपैथी का विषय किसी निजी संगठन या व्यक्ति विशेष का नहीं है सभी का उद्देश्य एक होना चाहिये कम से कम उत्तर प्रदेश में यह तो सम्भव है कि किसी एक संगठन की अगुवाई में यह लड़ाई लड़ी जाये और सफ़लता का मार्ग प्रशस्त किया जाये इसलिए इस प्रतिस्पर्धा का ताना बाना ऐसा हो जहां सबकी भावनाओं का सम्मान हो, हर एक की राय का स्वागत किया जाये, व्यक्तिगत हट से ऊपर उठकर एक ऐसी रणनीति बनायी जाये जो सर्वस्वीकार हो, हर संगठन को उचित स्थान मिले, प्रतिपल नई सम्भावनाओं की तलाश की जाये, यदि ऐसा हो पाता है तो इलेक्ट्रो होम्योपैथी की सफ़लता कभी भी संदिग्ध नहीं हो सकती है इसलिए जो कदम आगे बढ़ गये हैं उन्हें पीछे हटाने की आवश्यकता नहीं है बल्कि एक ऐसा कदमताल बने जिसके स्वर से सरकार भी इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिये सरकारी बोर्ड के गठन हेतु तैयार हो जाये।

इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिये सरकारी बोर्ड के गठन हेतु सरकार को जगाने के लिए न तो नारों की ज़रूरत है और न ही किसी समग्र आन्दोलन की अपितु आवश्यकता है कुछ सकारात्मक विचारों वाले ऐसे व्यक्तियों की जो अपनी विचार धारा से सरकार को प्रभावित कर सकें और जो तथ्यात्मक वास्तविकता उसको यर्थाथ रूप में धरातल पर ला सकें यह कोई कठिन कार्य नहीं है यह सबकुछ हमारे आपके बीच से ही निकलना है इसके लिए हमें तेज़ कदमों के स्थान पर दूरदर्शी धीमे कदमों की आवश्यकता है, समय के साथ–साथ हर चीज़ बदलती है, आवश्यकतायें बदलती हैं, अनिवार्यतायें बदलती हैं, इन्ही जीवन्त विचारधारा के साथ आम सहमति बनाकर सबकी भावनाओं का सम्मान करते हुए इलेक्ट्रो होम्योपैथी के इस आन्दोलन को अन्तिम पड़ाव तक ले जायें।

उ0प्र0 के पूर्व उप मुख्यमंत्री माननीय डा0 दिनेश शर्मा को इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिये पृथक बोर्ड का ज्ञापन देते हुये बाये से दायें डा0 आशुतोष कपूर, डा0 नरेन्द्र भूषण निगम, डा0 गौरव द्विवेदी श्री मिथलेश कुमार आदि

# इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया का स्थापना दिवस

## सम्पूर्ण भारत में धूम–धाम से मनाया गया

### होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया का 48वां स्थापना दिवस समारोह

*इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया का 48 वें स्थापना दिवस समारोह के कार्यक्रम बड़े ही धूम–धाम से आयोजित किये गये, वैसे तो यह आयोजन सम्पूर्ण भारत में आयोजित हुआ इस प्रकार की सूचना गज़ट कार्यालय को प्राप्त हुयी हैं, अधिकांश लोगों ने बढ़िया कार्यक्रम तो आयोजित किये समाचार एवं फोटो भी प्रेषित किये परन्तु अनेक लोगों ने अपने समाचार व फोटो गजट कार्यालय को समय से नहीं प्रेषित किये हैं कुछ लोगों द्वारा केवल फोटो ही भेजे गये हैं परन्तु फोटो में कौन मंचासीन है कौन वक्तागण भाषण दे रहे हैं, कार्यक्रम कहां पर आयोजित किया जा रहा है उसका विवरण नहीं लिखा गया है, हमने प्रयास किया है कि सभी को उचित स्थान दें, जिन्होंने फोटो सहित समाचार साझा किया है, आशा है कि आयोजकगण आगे से जो भी समाचार/ लेख / फोटो आदि भेजेंगे तो फोटो का कैप्शन अवश्य लिखेंगे।*

*सम्पादक।*

माँ सरजू देवी इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट लखीमपुर में केक काटकर 48वां स्थापना दिवस समारोह सम्पन्न

फतेहपुर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेन्टर जनपद कार्यालय फतेहपुर में इहमाई 48वें स्थापना दिवस समारोह की झलक

**लखीमपुर खीरी–** इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया के स्थापना दिवस पर मां सरजू देवी इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट लखीमपुर खीरी की इकाई द्वारा केक काटकर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया का 48वां स्थापना दिवस समारोह धूम धाम से मनाया गया, एसोसिएशन के अध्यक्ष डा0 मंजीत कश्यप ने बताया कि यह एसोसिएशन भारत में एक मात्र ऐसी संस्था है जिसने इलेक्ट्रो होम्योपैथिक के शिक्षा, चिकित्सा, रजिस्ट्रेशन आदि का कार्य करते हुए इलेक्ट्रो होम्योपैथिक के विकास हेतु संघर्ष करती रहती है, डा0 राकेश शर्मा ने इस एसोसिएशन संस्थापक अध्यक्ष डा0 मोहम्मद हाशिम इदरीसी जी की कठिन मेहनत और लगन से प्राप्त इलेक्ट्रो होम्योपैथिक को समाज और सरकार उपलब्धि का वर्णन किया।

इस अवसर पर जिला प्रभारी डा0 अमित विश्वकर्मा और महामंत्री ने एसोसिएशन के संयुक्त सचित डा0 मिथलेश कुमार मिश्रा जी के परिश्रम का भी बखान किया, एसोसिएशन की कोषाध्यक्ष डा0 अंशिका गुप्ता और हर्ष शर्मा सहित सभी सदस्यों ने फोन कर एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय डा0 एम0एच0 इदरीसी जी को बधाई दी।

**फ़तेहपुर–** इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया का 48वां स्थापना दिवस समारोह धूम धाम से मनाया गया, फतेहपुर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेन्टर जनपद कार्यालय फतेहपुर में कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुये इलेक्ट्रो होम्योपैथी के जनक डा0 काउण्ट सीजर मैटी के चित्र पर पूर्व सूबेदार मेजर उ0प्र0 पुलिस हाजी अनीस उल्ला सिद्दीकी दिव्यांग आवसीय विद्यालय खंभापुर के प्रबंधक सीताराम यादव, बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन उ0प्र0 के प्रभारी डा0 वकील अहमद, दिव्यांग विद्यालय के प्रधानाचार्य मनीष कुमार सिंह ने माल्यार्पण करके किया।

इस अवसर निःशुल्क चिकित्सा शिविर का भी आयोजन किया गया, जिसमें रोगियों का पंजीकरण कर औषधि दी गयी, बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन उ0प्र0 के प्रभारी डा0 वकील अहमद ने बताया कि इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया की स्थापना 25 जुलाई, 1978 को कानपुर में हुयी थी तब से लगातार यह संस्था इलेक्ट्रो होम्योपैथी के विकास के लिए कार्य करती आ रही है।

यह देश की एक मात्र संस्था है जिसके लिए भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा आदेश जारी किया गया है, इस अवसर पर हेमन्त सिंह, अतुल शुक्ला, चैतन्य कुमार, पवन कुमार, बौद्ध प्रकाश, सर्वेश कुमार सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

**मऊ (वलीदपुर)–** नगर पंचायत वलीदपुर स्थित इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेन्टर पर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया का 48वां स्थापना दिवस समारोह धूम धाम से मनाया गया, स्टडी सेन्टर प्रभारी डा0 अयाज़ अहमद ने लोगों को बताया कि इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया की स्थापना 25 जुलाई 1978 को कानपुर में हुयी थी तब से लगातार यह संस्था इलेक्ट्रो होम्योपैथी के विकास के लिए कार्य करती आ रही है, 21 जून 2011 का भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय हेल्थ रिसर्च विभाग द्वारा जारी आदेश इसी संस्था के प्रयासों का प्रतिफल है, देश की एक मात्र संस्था है जिसके लिए भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय हेल्थ रिसर्च विभाग आदेश जारी किया है, इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से डा0 अयाज़ अहमद, डा0 नसीम अख्तर, डा0 नंदलाल, डा0 मो0 आसिफ आदि मौजूद थे।

## इलेक्ट्रो होम्योपैथी वर्ष 2028 तक अपने पूर्ण अस्तित्व में उ0प्र0 में होगी – डा0 इदरीसी

वर्तमान समय में केवल उत्तर प्रदेश की बात न करके यदि हम सम्पूर्ण भारत पर एक दृष्टि डालें तो एक बात एकदम स्पष्ट रूप से नजर आती है कि विकास का जो बहाव वास्तविक होना चाहिये वह नहीं हो रहा है यह हम सब के लिये सोचने का विषय है इन्हीं सब बिन्दुओं पर चिन्तन करने के बाद इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया (EHMAI) ने यह निणर्य लिया कि शीर्घ ही ऐसा कोई नीतिगत निर्णय लिया जाये जिस पर कार्य करते हुए इलेक्ट्रो होम्योपैथी का वास्तविक विकास हो सके, यदि इलेक्ट्रो होम्योपैथी को समाज में प्रभावी ढंग से स्थापित करना है तो यह आवश्यक है कि इस चिकित्सा पद्धति का लाभ कुछ व्यक्तियों तक न रहकर सर्व समाज को मिले कहने को तो कहा जाता है कि जितने भी आसाध्य रोग हैं उनपर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति का ज़बरदस्त प्रभाव है यह चिकित्सा पद्धति सामान्य से लेकर असाध्य एवं गम्भीर रोगों पर अधिक प्रभावी है लेकिन जिन लोगों द्वारा इस चिकित्सा पद्धति को व्यवहार में लाया जाता है उनकी संख्या बहुत सीमित है किसी भी चिकित्सा पद्धति के विकास के लिए यह अति आवश्यक होता है कि उस चिकित्सा पद्धति को व्यवहार में लाने वाले लोगों की संख्या अधिकाधिक हो, आज युग बदल चुका है हर क्षेत्र में ज़बरदस्त परिवर्तन हो चुका है, चिकित्सा के क्षेत्र में बड़े क्रान्तिकारी परिवर्तन हुए हैं ऐसे में यदि इलेक्ट्रो होम्योपैथी को समान रूप से स्थापित करना है तो चिकित्सा के क्षेत्र में बहुत कार्य होना चाहिये, हमारे पास जो लाखों की संख्या है उन्हें अपने दायित्वों को पहचानना होगा और दायित्वों का पालन करते हुये एक नई कार्य संस्कृति को जन्म देना होगा, यदि हम इलेक्ट्रो होम्योपैथी में विकास की बात करें तो इससे हम इन्कार नहीं कर सकते हैं कि चिकित्सा पद्धति का विकास नहीं हुआ है।

वर्तमान युग प्रतिस्पर्धा का युग है, प्रतिस्पर्धा में वही टिकता है जिसके पास बौद्धिक सम्पदा का भण्डारण हो, इलेक्ट्रो होम्योपैथी में बौद्धिक सम्पदा की कोई कमी नहीं है, हमें पूरी क्षमता के साथ अपना कौशल प्रदर्शित करना होगा, हमें सरकार को बताना पड़ेगा कि हमारे चिकित्सकों में वे सारे गुण हैं जो एक मान्यता प्राप्त चिकित्सा पद्धति के चिकित्सक के पास होना चाहिये, जिस गति से इहमाई व बोर्ड कार्य कर रहा है हमें पूर्ण आशा है कि वर्ष 2028 तक इलेक्ट्रो होम्योपैथी उ0प्र0 में पूर्ण अस्तित्व में आ जायेगी और आज जो परेशानी है हम सर उठा कर स सम्मान जीयेंगे।

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के चेयरमैन व इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया (EHMAI) के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा0 एम0 एच0 इदरीसी इहमाई के **48 वें स्थापना दिवस** पर फोन पर किसी मीडिया के पत्रकार से वार्ता करते हुये।

# List of Medical Institutes/Institute

| Sr. | Code | Name | District | Principle & Mob.No. |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 01 | Ashish Electro Homoeopathic Medical Institute | RAIBARELY | EH Dr. P. N. Kushwaha 9415177119 |
| 2 | 03 | Awadh Electro Homoeopathic Medical Institute | LUCKNOW | Dr. Ashutosh Kapoor 7007592773 , 9125720111 |
| 3 | 05 | Bhagwan Mahaveer Electro Homoeopathic Institute | JAUNPUR | EH Dr. P. K. Maurya 9451162709 |
| 4 | 06 | Maa Sarju Devi Electro Homoeopathic Medical Institute | LAKHIMPUR | EH Dr. R.K. Sharma 9454236971 |
| 5 | 11 | Chand Par Electro Homoeopathic Medical Institute | AZAMGARH | EH Dr. Mushtaq Ahmad 9415358163 |
| 6 | 12 | Institute of Electro Homoeopathy | KANPUR | Contact No 9450153215,9415074806 |
| 7 | 13 | Azad Electro Homoeopathic Medical Institute, Kintoor | BARABANKI | EH Dr. Habib-ur-Rehman 8574239344 |
| 8 | 14 | Dr. R. C. Upadhyay Institute of Electro Homoeopathic | SADABAD | Dr. Mamita 8193940245 |
| 9 | 15 | Electro Homoeopathic Medical Institute | SHAHJAHANPUR | EH Dr. Ammar-Bin-Sabir 9336034277 |
| 10 | 16 | Shahganj Electro Homoeopathic Medical Institute | Shahganj JAUNPUR | EH Dr. S. N. Rai 9450088327 |
| 11 | 17 | Prema Devi Electro Homoeopathic Medical Institute | SIDDHARTH NAGAR | Dr.Ved Prakash Srivastav 9936022029 |

# List of Study Centres

| Sr. | Code | Name | District | Principle/ Manager & Mob.No. |
|---|---|---|---|---|
| 12 | 51 | Fatehpur E.H. Study Centre | FATEHPUR | EH Dr. Vakeel Ahmad 8115210751 |
| 13 | 52 | Deoria E.H. Study Centre | DEORIA | EH Dr. P. K. Srivastav 9415826491 |
| 14 | 53 | Bahraich E.H. Study Centre | BAHRAICH | Dr. Bhoop Raj. Srivastav 9451786214 |
| 15 | 54 | Unnao E.H. Study Centre | UNNAO | EH Dr. Gaurav Dwivedi 9935332052 |
| 16 | 55 | Walidpur E.H. Study Centre | Walidpur MAU | EH Dr. Ayaz Ahmad 9305963908 |
| 17 | 56 | Aarti E.H. Study Centre | JALAUN | EH Dr. Gaya Prasad 8874429538 |
| 18 | 57 | B.K. E.H. Study Centre | HAMIRPUR (U.P.) | EH Dr. N.B.Nigam 7007352458 |
| 19 | 58 | Electro Homoeopathic Study Centre | Hasanganj UNNAO | Hakim Mohd. Rashid Hayat 9005680843 |
| 20 | 59 | Sirsaganj E.H. Study Centre | Sirsaganj FIROZABAD | EH Dr. Mohd. Israr Khan 9634503421 |
| 21 | 60 | Etawah E.H. Study Centre | ETAWAH | EH Dr. Mohd. Akhlak Khan 7417775346 |
| 22 | 61 | Firozabad E.H. Study Centre | FIROZABAD | EH Dr. Shiv Kumar Pal 9027342885 |
| 23 | 62 | D.L.M.M. Study Centre of E.H. | MAHARAJGANJ | EH Dr. Prince Srivasta 7398941680 |
| 24 | 63 | Kushwaha E.H. Study Centre | KANPUR | EH Dr. Ram Autar Kushwaha 9793264649 |
| 25 | 64 | Rajendra E.H. Study Centre | VARANASI | Mr. Shashi Kant Maurya 7007730953 |
| 26 | 65 | P. R. D. Medical Centre of Electro Homoeopathy | LUCKNOW | EH Dr. Parikhan Ram Dhusia 9250959501 |
| 27 | 66 | Electro Homoeopathic Study Centre | MAINPURI | EH Dr. Bahadur Ali 8273125464 |
| 28 | 67 | Aarogya Electro Homoeopathic Study Centre | JHANSI | EH Dr. Rajesh Tyagi 9415506749 |
| 29 | 68 | Karishma Electro Homoeopathic Study Centre | AGRA | EH Dr. Mohar Shree 7500375933 |

# AUTHORISED STUDY CENTRES OF OTHER STATES

| Sr. | Code | Head of Centre | Address | District |
|---|---|---|---|---|
| 30 | 81 | Gautam Budh Electro Homoeopathic Study Centre | 374/4 Shaheed Bhagat Singh Colony, Karawal Nagar, DELHI-110090 | EH Dr. Devendra Singh Mobile No 9818120565 |
| 31 | 82 | The New Era of Electro Homoeopathy Study/Guidance Centre | 12/1891 Ground Floor, Shop No: 3, Honey Park Apartment, Saiyed Wada, Shahpore, SURAT-395003 | EH Dr. Abdul Rahman Khan Mobile No 8000241542 |

# LIST OF AUTHRISED EXAMINATION CENTRES

| Sr. | Code | Name of Examination Centre | Address | Name of Supdt. & Mobile No. |
|---|---|---|---|---|
| 32 | 91 | Khurja E.H. Examination Centre | Kurja , BULAND SHAHAR | EH Dr. P. K. Raghav 7505186156 |
| 33 | 92 | E.H. Examination Centre,Moradabad | MORADABAD | EH Dr. S.K. Saxena 8171869605 |
| 34 | 94 | E.H. Examination Centre | B.E.H.M.UP. KANPUR | Registrar B.H.M.U.P 0512-2970704 |
| 35 | 96 | E.H. Examination Centre | RAIPUR (Chattisgarh) | Dr. Rakesh Dubey 7714915587 |

Registrar, B.E.H.M.U.P.

बी0 ई0 एच0 एम0 के लिए डा0 अतीक अहमद द्वारा गजट प्रेस 126 टी/22 'ए' रामलाल का तालाब, जूही, कानपुर–208014 से मुद्रित एवं मिथलेश कुमार मिश्रा द्वारा कम्प्यूटराइज्ड करा कर 9/1 पीली कालोनी, जूही, कानपुर–14 से प्रकाशित किया।